अधिसत्रानुसार (सेमेस्टरवार) पाठ्यक्रम

एम0ए0—अर्थशास्त्र (प्रथम वर्ष)

सत्र 2019—20 से लागू

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक—100

प्रश्न पत्र	अधिसत्र (सेमेस्टर) प्रथम	प्रश्न पत्र	अधिसत्र (सेमेस्टर) द्वितीय
1	भारतीय आर्थिक विचारों का इतिहास	1	पाश्चात्य आर्थिक विचारों का इतिहास
2	लोकोवित्त के सिद्धान्त	2	भारतीय लोक वित्त
3	शोध पद्धतियाँ	3	सांख्यिकी
4	आर्थिक विकास के सिद्धान्त	4	कृषि अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास

एम0ए0—अर्थशास्त्र (द्वितीय वर्ष)

सत्र 2019—20 से लागू

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक—100

प्रश्न पत्र	अधिसत्र (सेमेस्टर) प्रथम	प्रश्न पत्र	अधिसत्र (सेमेस्टर) द्वितीय
1	सूक्ष्य आर्थिक विश्लेषण	1	कीमत सिद्धान्त एवं कल्याण का अर्थशास्त्र
2	मौद्रिक अर्थशास्त्र	2	समष्टि आर्थिक विश्लेषण
3	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त	3	वैश्विक आर्थिक मुद्दे
4	जनसंख्या का अर्थशास्त्र	4	मौखिकी

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र) प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर)–प्रथम

प्रश्नपत्र–प्रथम

भारतीय आर्थिक विचारों का इतिहास

वर्ष 2019–20

प्राचीन भारतीय आर्थिक विचार : कौटिल्य शुक्र, भीष्म के अनुसार अर्थ के प्रति भारतीय दृष्टिकोण, मूल्य एवं वितरण के सिद्धान्त, आर्थिक विकास के सिद्धान्त।

आधुनिक भारतीय आर्थिक विचारों का इतिहासः दादा भाई नौरोजी, महादेव गोविन्द रानाडे, गोपाल कृष्ण गोखले, रमेशचन्द्र दत्त, महात्मा गाँधी, जे. के. मेहता, जवाहरलाल नेहरू, आचार्य विनोवा भावे, अमर्त्य सेन, पं0 दीन दयाल उपाध्याय।

अनुमोदित पुस्तकें :

कौटिल्य	:	अर्थशास्त्र
शुक्र	:	शुक्रनीति
अच्युतानन्द घिल्डियाल	:	प्राचीन भातीय आर्थिक विचारक
जे0 सी0 कुमारप्पा	:	गाँधी अर्थ विचार
एस0 एन0 चतुर्वेदी	:	कार्ल मार्क्स के साम्यवादी और गांधी के साम्ययोगी आर्थिक विचारों द्वारा नये समाज की रचना
वी0 सी0 सिन्हा	:	आर्थिक विचारों का इतिहास
पी0 के0 गोपालकृष्णन	:	डेवलपमेंट ऑफ इकोनामिक्स आइडियाज इन इण्डिया
एरिक रोल (अनु0)	:	आर्थिक विचारों का इतिहास
टी0 एन0 हजेला	:	आर्थिक विचारों का इतिहास
जोसेफ ए0 शुम्पीटर	:	दस महान अर्थशास्त्री
स्पीगोल	:	डेवलपमेंट ऑफ इकोनामिक थॉट
जीड एण्ड रिस्ट	:	हिस्ट्री ऑफ इकोनामिक डाक्ट्रिन्स
एल0 एच0 हैने	:	हिस्ट्री ऑफ इकोनामिक थॉट
जे0 एस0 शुम्पीटर	:	हिस्ट्री ऑफ इकोनामिक एनलिसिस
गांगुली, बी0 एन0	:	इन्डियन इकोनॉमिक थॉट
कूट, जी0 एम0	:	इंग्लिश हिस्टोरिकल इकोनॉमिक्स
सेहाद्रि, जी0 वी0	:	इकोनॉमिक्स डाक्टरिन

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र) : प्रथम वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर)–प्रथम
प्रश्नपत्र–द्वितीय

लोक वित्त के सिद्धान्त

वर्ष 2019–20

लोकवित्त की परिभाषा, विषय क्षेत्र, सार्वजनिक वित्त व निजी वित में अन्तर, अधिकतम् सामाजिक कल्याण का सिद्धान्त, सार्वजनिक वस्तु निजी वस्तु एवं मेरिट वस्तु की अवधारणा, सार्वजनिक व्यय के सिद्धान्त, बैगनर की बढ़ती हुयी राजकीय क्रियाओं का सिद्धान्त, वाइजमैन परिकल्पना सिद्धान्त, सार्वजनिक व्यय के प्रभाव।

सार्वजनिक आय के स्रोतः करारोपण के सिद्धान्त, करारोपण में न्याय की समस्या, करदेय योग्यता का सिद्धान्त, करदान क्षमता, कर विवर्तन के सिद्धान्त। सार्वजनिक ऋणः सार्वजनिक ऋण का प्रभाव, सार्वजनिक ऋण के शोधन सर्वजनिक ऋण का भार एवं चुकाने के तरीके।

अनुमोदित पुस्तकें:

टी0 एन0 हजेला	:	राजस्व के सिद्धान्त
बी0 सी0 सिन्हा	:	लोकवित्त
एस0 के0 सिंह	:	पब्लिक फाइनेंस
डाल्टन	:	पब्लिक फाइनेंस
पीगू	:	ए स्टडी ऑफ पब्लिक फाइनेंस
मसग्रेव	:	थियरी ऑफ पब्लिक फाइनेंस
आर0 एन0 भार्गव	:	इण्डियन पब्लिक फाइनेंस
रिपोर्टस	:	इण्डियन फाइनेंस कमीशन्स
एस0 के0 सिंह	:	लोकवित्त
बी0 एन0 गांगुली	:	लोकवित्त
एच0 एल0 भादिया	:	लोकवित्त
आर0 के0 लेखी	:	लोकवित्त
पन्त, जे0 सी0	:	लोकवित्त
लकड़ावाला, डी0 टी0	:	यूनियन–स्टेट फाइनेन्सियल रिलेशन्स (1967)
बुचेन, जे0 एम0	:	पब्लिक प्रिन्सिपल्स ऑफ पब्लिक डेब्ट (1958)

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र) : प्रथम वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) – प्रथम
प्रश्नपत्र–तृतीय

शोध पद्धतियाँ

वर्ष 2019–20

अनुसन्धान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, अनुसंधान की सामान्य प्रकृति, अनुसंधान के पद एवं प्रकार मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का क्षेत्र एवं प्राथमिकताएं, सामाजिक अनुसंधान, अनुसंधान की आवश्यकता एवं महत्व।

क्षेत्र अध्ययन क्या है? सर्वेक्षण अध्ययन एवं क्षेत्र अध्ययन में अन्तर, क्षेत्र अध्ययन के गुणदोष।

परिकल्पना : परिभाषा स्रोत, उचित परिकल्पना के निर्माण में कठिनाइयाँ, परिकल्पना के कार्य, अच्छी परिकल्पना के आवश्यक गुण परिकल्पना के प्रकार।

शोध प्ररचनायें (अभिकल्प) (Research Designs) :– शोध प्ररचना का अर्थ, शोध प्रस्ताव के प्रकार (1) अन्वेषणात्मक अथवा निरूपणात्मक शोध प्ररचना (2) वर्णनात्मक (3) निदानात्मक (4) परीक्षणात्मक, अभिकल्प के उद्देश्य।

निरीक्षण (Observation) :– अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें, निरीक्षण के प्रकार, महत्व, सीमायें।

साक्षात्कार (Interview) :– अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें, साक्षात्कार के उद्देश्य, साक्षात्कार के प्रकार, महत्व, सीमायें।

अनुसूची (Schedule) :– परिभाषा, उद्देश्य, विशेषतायें, प्रकार, अनुसूची की उपयोगिता सीमायें, दोष दूर करने के उपाय।

प्रश्नावली (Questionaire) :– अर्थ परिभाषा, प्रकार, विशेषतायें, महत्व, गुण, सीमायें, प्रश्नावली की विश्वसनीयता की जांच।

वैयक्तिक अध्ययन (Case Study) :– अर्थ व परिभाषा, विशेषतायें, सीमायें, महत्व।

निदर्शन (Sampliny)–अर्थ, निदर्शन प्रविधि क्या है?, प्रकार, विशेषतायें, दोष।

<u>अनुमोदित पुस्तकें</u> :–

सी0आर0 कोठारी	:	रिसर्च मेथडालॉजी
ए0एम0 वेस्ट	:	रिसर्च मेथडालॉजी
फर्बन एण्ड बरडून	:	रिसर्च मेथड्स इन इकोनॉमिक्स एण्ड बिजनेस
ए0के0 दासगुप्ता	:	मेथेडॉलाजी इन इकोनामिक रिसर्च
गुडे एण्ड हॉट	:	मेथेड्स इन सोशल रिसर्च
कोहेन एण्ड नागेल	:	एन इन्ट्रोडक्शन टु लॉजिक एण्ड साइन्टिफिक मेथड
काफमैन	:	मेथडोलॉजी ऑफ सोशल साइन्स
लेजर्सफेल्ड एण्ड रोजेनबर्ग	:	दि लैंग्वेज ऑफ सोशल रिसर्च
शर्मा एण्ड मुखर्जी	:	रिसर्च इन इकोनामिक्स एण्ड कार्मसः मैथडोलॉजी एण्ड सोर्सेज
ब्रूम्स एण्ड डिक	:	इन्ट्रोक्शन टु स्टेटिस्टिकल मेथड्स
एलहंस	:	सांख्यिकी के मूल तत्व
नागर	:	सांख्यिकी के सिद्धान्त
बी0एल0 अग्रवाल	:	बेसिक स्टेटिस्टिक्स
चतुर्वेदी एवं मिश्रा	:	आर्थिक शोध एवं सांख्यिकी
रवीन्द्र नाथ मुखर्जी	:	सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी
एस0पी0 सिंह	:	सांख्यिकी के सिद्धान्त
आर0के0 उपाध्याय	:	शोध पद्धतियाँ एवं सांख्यिकी

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र) : प्रथम खण्ड
अधिसत्र (सेमेस्टर)–प्रथम
प्रश्नपत्र–तृतीय

आर्थिक विकास के सिद्धान्त

सत्र–2019–20

- आर्थिक संवृद्धि की समस्याओं की सामान्य प्रकृति। संवृद्धि संतुलनः अस्तित्व, अद्वितीयता एवं स्थायित्व।
- प्रतिष्ठित विकास मॉडलः एडम स्मिथ, डेविड रिकार्डो एवं कार्ल मार्क्स।
- संतुलित एवं असतुलित विकास का सिद्धान्त : रोजेस्टीन रोडान का प्रबल प्रयास का सिद्धान्त, हार्वे लीविन्सटीन का आवश्यक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त, असंतुलित विकास का सिद्धान्त–हर्षमैन।
- कीन्स का विकास मॉडल। कीन्सोत्तर संवृद्धि मॉडल : राय एफ0 हैराड (छूरी धार की समस्या), ई0 डोमर। नव–कीन्सवादी संवृद्धि माडल : काल्डोर एवं श्रीमती जॉन रोबिन्सन। नव–प्रतिष्ठित संवृद्धि मॉडल : सोलो, मुद्रा एवं संवृद्धि सिद्धानत : टोबिन एवं जॉनसन।
- पूँजी विवाद : सैम्यूलसन बनाम श्रीमती रोबिन्सन

अनुमोदित पुस्तकें:

डब्लू0 आर्थर लुइस (अनु0)	:	आर्थिक विकास के सिद्धान्त
एफ0 होजलिट्स	:	थियरी ऑफ इकोनामिक ग्रोथ
सी0पी0 किन्डल वर्गर	:	इकोनामिक डेवलपमेंट
रिचार्ड टी0 गिल	:	इकोनामिक डेवलपमेंट
एस0पी0 टोडारो	:	इकोनामिक डेवलपमेंट
आस्कर लांगे	:	एसेज ऑन इकोनामिक प्लानिंग
एस0एल0 वागले	:	टेकनीक ऑफ प्लानिंग
एम0एल0 झिंगन	:	विकास का अर्थशास्त्र एवं आयोजन
अलक घोष	:	इण्डियन इकोनामी
एस0पी0 सिंह	:	आर्थिक विकास एवं नियोजन
शर्मा एवं वार्ष्णेय	:	आर्थिक नियोजन : सिद्धान्त एवं समस्यायें
मेहता	:	इकोनामिक आफ ग्रोथ
मायर	:	इकोनामिक डेवलपमेंट थियरी हिस्ट्री, पॉलिसी
आर0पी0 सेन	:	डेवलपमेंट थियरी एण्ड ग्रोथ माडल्स
जे0पी0 मिश्रा	:	आर्थिक विकास एवं नियोजन
आर0के0 लेखी	:	इकोनामिक डेवलपमेंट
जादेव सरवेल	:	ग्रोथ इकॉनोमिक्स

एम0ए0 (अर्थशास्त्र) : प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर)–द्वितीय

प्रश्न पत्र–प्रथम

पाश्चात्य आर्थिक विचारों का इतिहास

वर्ष 2019–20

पाश्चात्य आर्थिक विचारः प्राचीन और मध्यकालीन आर्थिक विचारों का संक्षिप्त सर्वेक्षण, व्यापारवाद, प्राकृतिवाद, प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रः एडम स्मिथ, डेविड रिकार्डो, टामस राबर्ट माल्थस, जॉन स्टुअर्ट मिल, इतिहासवाद।

आधुनिक आर्थिक विचारः राष्ट्रवाद, संस्थावाद, समाजवादी, अर्थशास्त्र, सीमान्तवाद, नव–परम्परावादी, अर्थशास्त्रः मार्शल, पीगू:, जॉन मेनार्ड कीन्स, आर्थिक विचारों में अद्यतन प्रवृत्तियाँ–शुम्पीटर, जॉन राबिन्सन।

अनुमोदित पुस्तकें :–

कौटिल्य	:	अर्थशास्त्र
शुक्र	:	शुक्रनीति
अच्युतानन्द घिल्डियाल	:	प्राचीन भारत आर्थिक विचारक
जे0सी0 कुमारप्पा	:	गांधी अर्थ विचार
वी0सी0 सिन्हा	:	आर्थिक विचारों का इतिहास
पी0के0 गोपालकृष्णन	:	डेवलपमेण्ट ऑफ इकोनामिक्स आइडियाज इन इण्डिया
एरिक रोल (अनु0)	:	आर्थिक विचारों का इतिहास
टी0 एन0 हजेला	:	आर्थिक विचरों का इतिहास
जोसेफ ए0 शुम्पीटर	:	दस महान अर्थशास्त्री
स्पीगोल	:	डेवलपमेंट ऑफ इकोनामिक थॉट
जीड एण्ड रिस्ट	:	हिस्ट्री ऑफ इकोनामिक डाक्ट्रि न्स
एल0 एच0 हैने	:	हिस्ट्री ऑफ इकोनामिक थॉट
जे0 एस0 शुमीटर	:	हिस्ट्री ऑफ इकोनामिक एननलिसिस
गागुली, बी0 एन0	:	इन्डियन इकोनामिक थॉट
कूट, जी0 एम0	:	इंग्लिश हिस्टोरिकल इकोनामिक्स
सेहाद्रि, जी0 वी0	:	इकोनामिक्स डाक्टरिन

एम0ए0 (अर्थशास्त्र) : प्रथम वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर)–द्वितीय
प्रश्न पत्र–द्वितीय

भारतीय लोक वित्त

वर्ष 2019–20

राजकोषीय नीति स्थायित्व एवं आर्थिक वृद्धि, उद्देश्य संघीयवित्त व्यवस्था : संघीय वित्त व्यवस्था के सिद्धान्त, वित्तीय असंतुलन की समस्या, वित्त आयोग, केन्द्र–राज्यवित्तीय सम्बन्ध।

भारतीय कर प्रणाली की विशेषताएं, प्रमुख कर, भारत में केन्द्र एवं राज्य सरकारों के प्रमुख आय के स्रोत, भारत में कर भारत में लोकव्यय, सार्वजनिक ऋण तथा घाटे की वित्त व्यवस्था की प्रवृतियाँ, भारतीय बजट, बजट के प्रकार तथा स्वरूप, बजट घाटे की विभिन्न अवधारणाएं।

अनुमोदित पुस्तकें :

टी0 एन0 हजेला	:	राजस्व के सिद्धान्त
बी0 सी0 सिन्हा	:	लोकवित्त
एस0 के0 सिंह	:	पब्लिक फाइनेंस
डाल्टन	:	पब्लिक फाइनेंस
पीगू	:	ए स्टडी ऑफ पब्लिक फाइनेंस
मसग्रेव	:	थियरी ऑफ पब्लिक फाइनेंस
आर0 एन0 भार्गव	:	इण्डियन पब्लिक फाइनेंस
आर0 एन0 भार्गव	:	थियरी एण्ड वर्किंग ऑफ चूरनियन फाइनेंस इन इण्डिया
रिपोर्टस	:	इडियन फाइनेंस कमीशन्स
एस0 के0 सिंह	:	लोकवित्त
बी0 एन0 गांगुली	:	लोकवित्त
एच0 एल0 भादिया	:	लोकवित्त
आर0 के0 लेखी	:	लोकवित्त
पन्त, जे0 सी0	:	लोकवित्त
लकड़ावाला, डी0 टी0	:	यूनियन–स्टेट फाइनेन्सियल रिलेशन्स (1967)
बुचेन, जे0 एम0	:	पब्लिक प्रिन्सिपल्स ऑफ पब्लिक डेब्ट (1958)

एम0ए0 (अर्थशास्त्र) : प्रथम वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर)–द्वितीय
प्रश्न पत्र–तृतीय

सांख्यिकी

वर्ष 2019–20

- कार्य, सीमाएं एवं महत्व, रेखाचित्र, आयत चित्र
- केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप माध्य, माध्यिका बहुलक।
- अपकिरण की मापें : विस्तार, अन्तर, चतुर्थक विस्तार, माध्य, विचलन, प्रमाप, विललन एवं लोरेंज वक्र, चतुर्थक विचलन।
- विषमता : विषमता की जांच, विषमता का प्रथम माप, कार्ल पियर्सन का विषमता गुणांक, विषमता का द्वितीय माप या बाउले का विषमता गुणांक।
- सहसम्बन्ध : सहसम्बन्ध के प्रकार, अर्थ, परिभाषा, महत्व, कार्ल पियर्सन का सहसम्बन्ध गुणांक, स्पियरमेन का कोटि सहसम्बन्ध गुणांक, सम्भाव्य विभ्रम, प्रमाप विभ्झम, प्रतिगमन विश्लेषण, सहसम्बन्ध एवं प्रतिगमन के मध्य अन्तर।
- सूचकांक : परिभाषा, प्रकार, रचना, लास्प्रे, पाश्चे, फिशर का सूचकांक, उत्क्रम्यता परीक्षण

अनुमोदित पुस्तकें:

सी0आर0 कोठारी	:	रिसर्च मेथडालॉजी
ए0एम0 वेस्ट	:	रिसर्च मेथडालॉजी
गुडे एण्ड हॉट	:	मेथेड्स इन सोशल रिसर्च
कोहेन एण्ड नागेल	:	एन इन्ट्रोडक्शन टुलॉजिक एण्ड साइन्टिफिक मेथड
काफमैन	:	मेथडोलॉजी ऑफ सोशल रिसर्च
लेजर्सफेल्ड एण्ड रोजेनबर्ग	:	दि लैंग्वेज ऑफ सोशल रिसर्च
शर्मा एण्ड मुखर्जी	:	रिसर्च इन इकोनामिक्स एण्ड कामर्सः मैथडोलॉजी एण्ड सोर्सेज
शुम्पीटर	:	हिस्ट्री ऑफ इकोनामिक्स एनालिसिस
ब्रूम्स एण्ड डिक	:	इन्ट्रोडक्शन टु स्टेटिस्टिकल मेथड्स
एलहंस	:	सांख्यिकी के मूल तत्व
नागर	:	सांख्यिकी के सिद्धान्त
बी0 एल0 अग्रवाल	:	बेसिक स्टेटिस्टिक्स
चतुर्वेदी एवं मिश्रा	:	आर्थिक शोध एवं सांख्यिकी
रवीन्द्र नाथ मुखर्जी	:	सामाजिक शोध एवं साख्यिकी
एस0 पी0 सिंह	:	सांख्यिकी के सिद्धान्त
आ0के0 उपाध्याय	:	शोध पद्धतियाँ एवं सांख्यिकी

एम0ए0 (अर्थशास्त्र) : प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर)–द्वितीय

प्रश्न पत्र–चतुर्थ

कृषि अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास

वर्ष 2019–20

कृषि अर्थशास्त्र : परिभाषा, विषयवस्तु, कृषि एवं औद्योगिक अर्थशास्त्र–व्यवस्था में अन्तर एवं सम्बन्ध, कृषि एवं आर्थिक विकास, भारत में कृषि विपणन व्यवस्था तथा कृषि विपणन कार्यों का मूल्यांकन, विक्रय योग्य अतिरेक तथा विपणन अतिरेक का विश्लेषण, कृषि साख की समस्याएं। कृषि उत्पादन में जोखिम एवं अनिश्चितता, भारत में फसलें एवं उनका प्रारूप। भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की विशेषताएं, भारत में ग्रामीण निर्धनता की समस्याएं, निर्धनता का आकार एवं आकलन, बेरोजगारी एवं निर्धनता, निर्धनता उन्मूलन के विभिन्न कार्यक्रमों का विश्लेषण, ग्रामीण विकास में कृषि क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र एवं सेवा क्षेत्र की भूमिका। भारत में ग्रामीण आर्थिक क्रियाकलाप, विश्व व्यापार संगठन एवं भारतीय कृषि, कृषि एवं विदेशी व्यापार।

अनुमोदित पुस्तकें:

आर0 के0 गोविल	:	भारतीय कृषि अर्थशास्त्र
विजयेन्द्रपाल सिंह	:	कृषि अर्थशास्त्र
सुरेश चन्द्र मित्तल	:	कृषि अर्थशास्त्र
जैन तथा लवानियाँ	:	कृषि अर्थशास्त्र
आर0 एल0 कोहेन	:	इकोनॉमिक्स ऑफ एग्रीकल्चर
सुन्दरम एवं दत्त	:	इण्डियन इकोनामी
अलक घोष	:	इण्डियन इकोनामी
ए0 एन0 अग्रवाल	:	भारतीय अर्थशस्त्र
पंचवर्षीय योजनाएं	:	भारत सरकार
मिश्रा एवं पुरी	:	इण्डियन इकोनामी

एम0 ए0 अर्थशास्त्र : द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर)–तृतीय
प्रश्नपत्र–प्रथम

सूक्ष्म आर्थिक विश्लेषण
वर्ष 2019–20

मांग विश्लेषण :– तटस्थता वक्र विश्लेषण अर्थ एवं विशेषतायें, सीमान्त प्रतिस्थापन दर, कीमत रेखा या बजट रेखा की धारणा तटस्थता वक्र रेखा द्वारा उपभोक्ता का सन्तुलन, आय प्रभाव, प्रतिस्थापना प्रभाव तथा कीमत प्रभाव, हिक्स एवं स्लटस्की दृष्टिकोण, उपभोक्ता की बचत का तटस्थ्ता वक्र विश्लेषण तथा उपभोग रेखा से मांग वक्र का निर्माण, उपभोक्ता के व्यवहार का प्रकट (प्रगट या उद्घाटित) अधिमान सिद्धान्त, श्रेष्ठता और सीमायें।

उत्पादन सिद्धान्त :–उत्पादन का पैमाना, सम उत्पाद रेखायें : अर्थ तथा विशेषतायें, सीमान्त प्रतिस्थापन की दर, पैमाने के प्रतिफल, समउत्पाद रेखायें तथा एक उत्पादक का सन्तुलन (अथवा साधनों का न्यूनतम लागत सिद्धान्त अथवा साधनों के संयोग का चुनाव), रिज रेखायें तथा उत्पादन की प्राविधिक सीमा। कॉब डगलस उत्पादन फलन तथा प्रतिस्थापन की लोच।

मूल्य सिद्धान्त : बाजार अर्थ, वर्गीकरण, प्रभावित करने वाले तत्व, आय वक्र एवं लागत वक्र.

पूर्ण प्रतियोगिता एवं शुद्ध प्रतियोगिता में अन्तर पूर्ण प्रतियोगिता एवं शुद्ध प्रतियोगिता में उद्योग एवं फर्म का साम्य, एकाधिकार में साम्य की स्थिति, अपूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकृत प्रतियोगिता में अन्तर, एकाधिकृत प्रतियोगिता में फर्म का साम्य अल्पाधिकार एवं एकाधिकार में साम्य मूल्य का निर्धारण।

अनुमोदित पुस्तकें :–

1. Stonier and Hague - A Text Book of Ecnomic Theory
2. R.G. Lipsey - An Introduction to Positive Economics
3. Samuelson, paul-Economics
4. Gould and Ferguson - Micro Economic Theory
5. जे0पी0 मिश्रा : अर्थव्यवस्था
6. एस0एल0 लाल और एसके0 लाल, व्यष्टि अर्थशास्त्र
7. एच0एल0 आहूजा–व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त
8. एम0एल0 झिंगन–व्यष्टि आर्थिक सिद्धान्त
9. वी0सी0 सिन्हा, पुष्पा सिन्हा–व्यष्टि अर्थशास्त्र।

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र) : द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर)–तृतीय
प्रश्न–पत्र द्वितीय

मौद्रिक अर्थशास्त्र
वर्ष 2019–20

मुद्रा का मूल्य :– अवधारणा, माप, निर्धारण : फिशर का परिमाण सिद्धान्त, कैम्ब्रिज समीकरण, कीन्स का मूल समीकरण, बचत विनियोग सम्बन्धी सामान्य सिद्धान्त, डॉन पेटीन्किन का सिद्धान्त,मिल्टन फ्रीडमैन का सिद्धान्त टाबिन का पोर्टकोलियो बैलेन्स सिद्धान्त।

मुद्रा के मूल्य में परिवर्तन की दशाएंः मुद्रा स्फीति, अवधारणा, भेद, प्रभाव, मुद्रा स्फीति के सिद्धान्त, आर्थिक विकास एवं मुद्रा स्फीति,मुद्रा संकुचन, मुद्रा अपस्फीति, मुद्रा संस्फीति, निष्पन्द स्फीति (स्टैगफ्लेशन), फिलिप्सवक्र

अनुमोदित पुस्तकेंः

राबर्टसन	:	मुद्रा
एच0 हैनसन	:	गाइड टु कीन्स
एम0 वी0 गुप्ता	:	मौद्रिक अर्थशास्त्र
एम0 एल0 झिंगन	:	मौद्रिक अर्थशास्त्र
डडले लार्ड	:	जे0 एम0 कीन्स का अर्थशास्त्र (अनुवाद)
जे0 स्टेन	:	मानिरिज्म
जे0 एम0 कीन्स	:	काम, धंधा, ब्याज और मुद्रा का सामान्य सिद्धान्त (अनु0)
सेयर्स	:	माडर्न बैंकिंग
एम0 सी0 वैश्य	:	मुद्रा की रूपरेखा
टी0टी0 सेटी	:	मौद्रिक अर्थशास्त्र
डी0 काक	:	सेन्ट्रल बैंकिंग
जी0 एन0 हाम	:	मानिटरी थियरी
के0 एल0 राज	:	मानिटरी पॉलिसी ऑफ दि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया
रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया	:	रिपोर्ट ऑफ करेंसी एंड फाइनेंस ट्रेडर्स इन बैंकिंग
एस0एन0 सेठ	:	सेन्ट्रल बैंकिंग इन अण्डर डेवलपमेंट मनी मार्केट्स
एम0एल सेठ	:	मौद्रिक अर्थव्यवस्था
बी0सी0 सिन्हा	:	मौद्रिक अर्थव्यवस्था

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र): द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) – तृतीय
प्रश्नपत्र तृतीय

अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त

वर्ष 2019–20

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रतिष्ठित सिद्धान्त, हैबरलर का अवसर लागत, हेक्शर–ओहलिन प्रमेय, साधन गहनता : व्युत्क्रम, स्टाप्लर और रिब्जनेस्की प्रमेय, नवीन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त–क्रेविस, लिण्डर एवं पोसनर का सिद्धान्त। व्यापार शर्त–प्रेविश, सिंगर, अन्तरण की समस्या। सीमा कर सिद्धान्त–आंशिक एवं सामान्य संतुलन विचार, अन्तर्राष्ट्रीय वस्तु समझौते, अन्तर्राष्ट्रीय उत्पादक संघ (कार्टेल), नव अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था, विश्व व्यापार संगठन, इष्टतम् मुद्रा क्षेत्र। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक।

अनुमोदित पुस्तकें:

लिंडर, पी0एच0	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स
सोडर्सटन,बी0ओ0	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स
क्रुगमैन	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स
मैनूर, एच0जी0	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स : थियरी एण्ड पालिसी इस्यूज
किण्डल वर्जर, सी0ओ0	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स
एल्सर्थ, पी0टी	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स
जेकब वाइनर	:	स्टडीज इन थियरी ऑफ इण्टरनेशनल ट्रेड
बरला, अग्रवाल	:	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था
के0डी0 स्वामी	:	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था
झिंगन, एम0एल0	:	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था
डी0एन0 गुर्टू	:	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था
भगवती, जे0	:	(संकलित) (1981) इण्टरनेशनल ट्रेड सेलेक्टेड रीडिंग्स, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेम मसाच्यूसेट्स।
सुदामा सिंह एवं वैश्य	:	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र
बायोसाडर्सन	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स
एम0 चेकोलाइड्स	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स
एच0एल0 भाटिया	:	इण्टरेनशनल इकोनॉमिक्स
स्वामी, के0डी0	:	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र
सिन्हा, बी0सी0	:	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र
राना,आर0सी0 एवं वर्मा के0एम0	:	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र): द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) – तृतीय
प्रश्नपत्र पंचम

जनसंख्या का अर्थशास्त्र

वर्ष 2019–20

- मानवीय संसाधन विकास की अवधारणाः अर्थ, महत्व एवं प्रभावित करने वाले तत्व एवं समस्याएं।
- जनसंख्या सम्बन्धी उपकरण : जनांकिकीय अनुपात–लिंग अनुपात, आश्रितता अनुपात, साक्षरता अनुपात, शिशु–स्त्री अनुपात, आयु का सूचकांक, जनसंख्यक घनत्व व प्रकार, जनसंख्या पिरामिड।
- माल्थस का जनसंख्य सम्बन्धी सिद्धान्त एवं नव माल्थस विचार, जनसंख्या का अनुकूलतम सिद्धान्त, जनसंख्या परिवर्तनशीलता सिद्धान्त, (संक्रमण सिद्धान्त)–प्रो0 सी0पी0 ब्लैकर थाम्पसन बोग एवं नोस्टीन के विचार, लॉण्डी के अनुसार जनसंख्या की अवस्थाएं, कार्ल सैक्स के अनुसार जनसंख्या की अवस्थाएं, डोनाल्ड ओलेन काउगिल के अनुसार जनसंख्या की अवस्थाएं, जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास (मानवीय संसाधन), जनसंख्या प्रक्षेपण।

अनुमोदित पुस्तकें :

एस0पी0 सिंह	:	आर्थिक विकास एवं नियोजन
एम0एल0 झिंगन	:	आर्थिक विकास एवं नियोजन
ओ0एस0 श्रीवास्तव	:	जनांकिकी
बी0सी0 सिन्हा	:	जनांकिकी
मुन्नीलाल	:	मानव पूँजी का अर्थशास्त्र
ट्रेसर, विलियम आर0	:	मैनेजमेंट ट्रेनिंग एण्ड डेवलपमेंट
बेक्सेल एण्ड लाथम	:	डेवलपमेंट एण्ड ट्रेनिंग ह्यूमन रिसोर्स इन आर्गनाइजेशन
आर्य एण्ड टण्डन	:	ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट
सभनायकम, एस0	:	ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट एण्ड युटिलाइजेशन

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र): द्वितीय वर्ष

अधिक (सेमेस्टर) – चतुर्थ

प्रश्नपत्र प्रथम

साधन कीमत सिद्धान्त एवं कल्याण का अर्थशास्त्र

वर्ष 2019–20

साधन कीमत : परम्परावादी, सीमान्त–उत्पादकता सिद्धान्त और आधुनिक सिद्धान्त। योगशीलता की समस्या–यूलर का प्रमेय, लगान, मजदूरी, ब्याज और लाभ का आधुनिक सिद्धान्त।

रेखीय प्रोग्रामिंग – अदा–प्रदा विश्लेषण, खेल सिद्धान्त

कल्याणवादी अर्थशास्त्र–नया और पुराना कल्याणवादी अर्थशास्त्र–पीगू, पैरटो, काल्डोर–हिक्स और साइटोवस्की

बर्गसन–सैम्यूल्सन–समाज कल्याण फलन, परेटो, अनुकूलतम की शर्तें, द्वितीय बेस्ट, ऐरो का सम्भावना सिद्धान्त

अनुमोदित पुस्तकें :–

एच0 हैनसन	:	गाइड टु कीन्स
इरोल डिसूजा	:	मैक्रोइकोनामिक्स
ओलिवर ब्लैंकार्ड	:	मैक्रोइकोनामिक्स
डडले लार्ड	:	जे0एम0 कीन्स का अर्थशास्त्र (अनुवाद)
टी0टी0 सेठी	:	मौद्रिक अर्थशास्त्र
के0के0 कुरिहारा	:	पोस्टकीन्सियन इकोनामिक्स
के0एल0 राज	:	मानिटरी पॉलिसी ऑफ दि रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया
ए0सी0 पीगू	:	थियरी ऑफ अनइम्प्लायमेण्ट
ए0सी0 पीगू	:	लैप्सेस फ्राम फुल इम्प्लायमेण्ट
एस0एन0 सेठ	:	सेन्ट्रल बैंकिंग इन अण्डर डेवलपमेण्ट मनी मार्केट्स
एम0एल0 सेठ	:	मौद्रिक अर्थव्यवस्था
बी0सी0 सिन्हा	:	मौद्रिक अर्थव्यवस्था

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र): द्वितीय वर्ष

अधिक (सेमेस्टर) – चतुर्थ

प्रश्नपत्र–द्वितीय (अनिवार्य)

समष्टि आर्थिक विश्लेषण

वर्ष 2019–20

- रोजगार का सिद्धान्त : परम्परावादी एवं किन्सीयन सिद्धान्त, प्रभावपूर्ण मांग का सिद्धान्त।
- उपभोग फलन : कीन्स का उपयोग का मनोवैज्ञानिक नियम, आय–उपभोग सम्बन्ध–सापेक्ष आय, निरपेक्ष आय, जीवन चक्र और आच उपकल्पना, निवेश फलन–स्वायत्त एवं प्रेरित निवेश, गुणक, पूँजी का सीमान्त उत्पादकता का सिद्धान्त, निवेश का निधारक, त्वरण सिद्धान्त।
- ब्याज पर सिद्धान्त : ब्याज पर परम्परावादी, नव परम्परावादी और किन्सीयन दृष्टिकोण, आईएस0एल0एम0 मॉडल, मुद्रास्फीति का संरचनात्मक और मौद्रिक दृष्टिकोण–फिलिप्सवक्र विश्लेषण–अल्पकालीन और दीर्घकालीन फिलिप्सवक्र, स्फितीक अन्तराल।
- व्यापार चक्र के सिद्धान्त : हिक्स, काल्डोर और सैम्युलसन।

अनुमोदित पुस्तकें :–

एच0 हैनसन	:	गाइड टु कीन्स
ओलिवर ब्लैन्कार्ड	:	मैक्रोइकोनामिकस
एम0एल0 झिंगन	:	मौद्रिक अर्थशास्त्र
जे0एम0 कीन्स	:	काम, धंधा, ब्याज और मुद्रा का सामान्य सिद्धानत (अनु0)
के0के0 कुरिहरा	:	पोस्टकीन्सियन इकोनामिक्स
के0एल0 राज	:	मानिटरी पालिसी ऑफ दि रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया
ए0सी0 पीगू	:	लैप्सेस फ्राम फुल इम्प्लायमेण्ट
एस0एन0 सेठ	:	सेन्ट्रल बेंकिंग इन अण्डर डेवलपमेण्ट मनी मार्केट्स
एम0एल0 सेठ	:	मौद्रिक अर्थव्यवस्था
बी0सी0 सिन्हा	:	मौद्रिक अर्थव्यवस्था
राजेश पाल	:	इण्डियन बैंकिंग एण्ड ग्लोबलाइजेशन, अध्ययन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर लि0, न्यू दिल्ली 2009)

एस0एन0 लाल, एस0के0 लाल : मैक्रो इकोनामिक्स

एम0 ए0 (अर्थशास्त्र): द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) – तृतीय
प्रश्नपत्र चतुर्थ (अनिवार्य)

वैश्विक आर्थिक मुद्दे

वर्ष 2019–20

1. ज्वलन्त वैश्विक विकास के मुद्दे – असमानता, गरीबी, भूख और खाद्य सुरक्षा

2. सहस्राब्दी (मिलेनियम) विकास के उद्देश्य

3. पर्यावरण प्रदूषण और वैश्विक वार्मिगः ऊर्जा संकट

4. आधुनिक विश्व आर्थिक संकट

5. सम्पोषी विकास की समस्या और समावेशी विकास

6. संतुलित लैंगिक विकास के मुद्दे

7. विश्व व्यापार उदारीकरण, भुगतान संतुलन

8. आर्थिक उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

9. सूचना एवं संचार तकनीकीं की भूमिका

10. नीति आयोग।